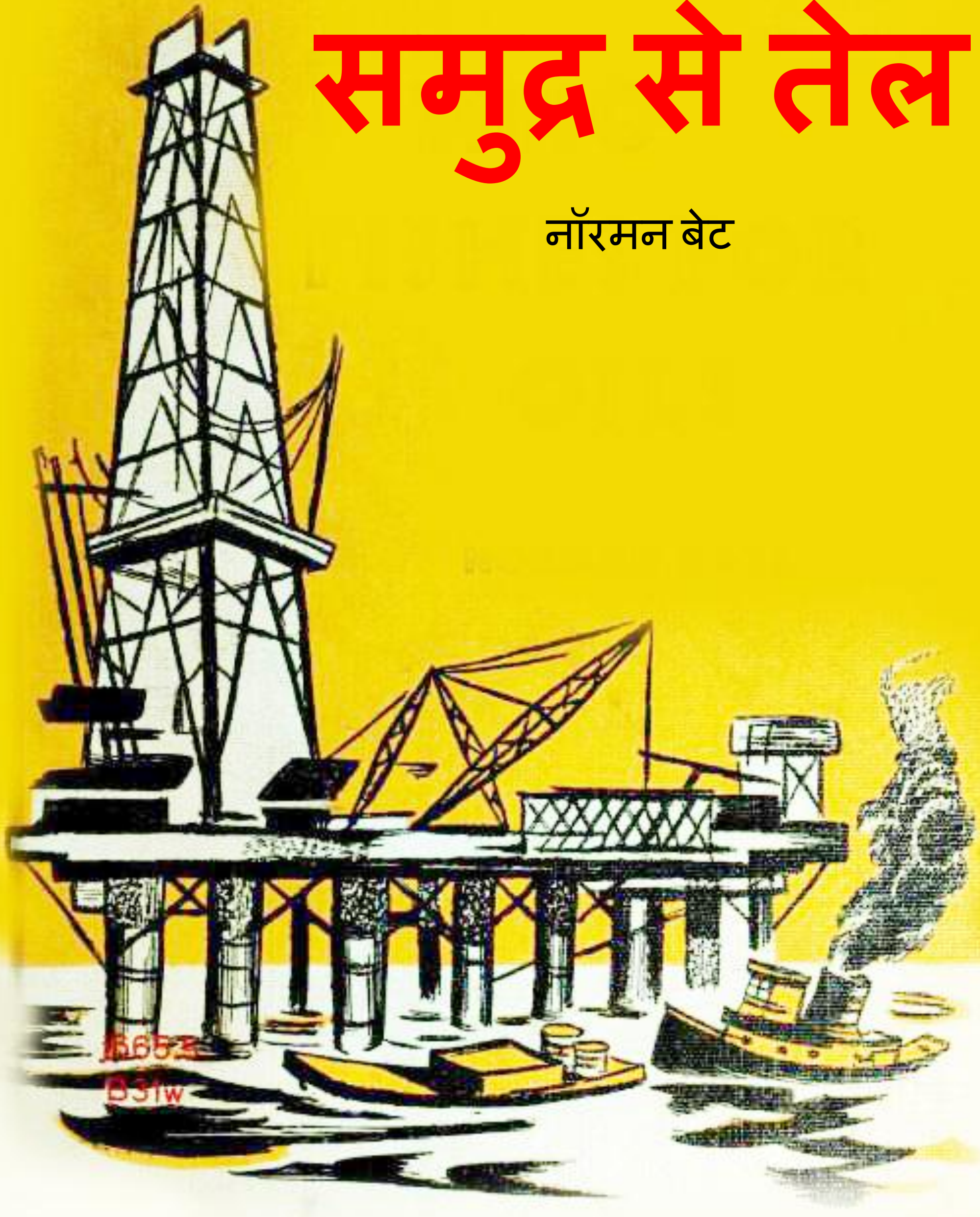
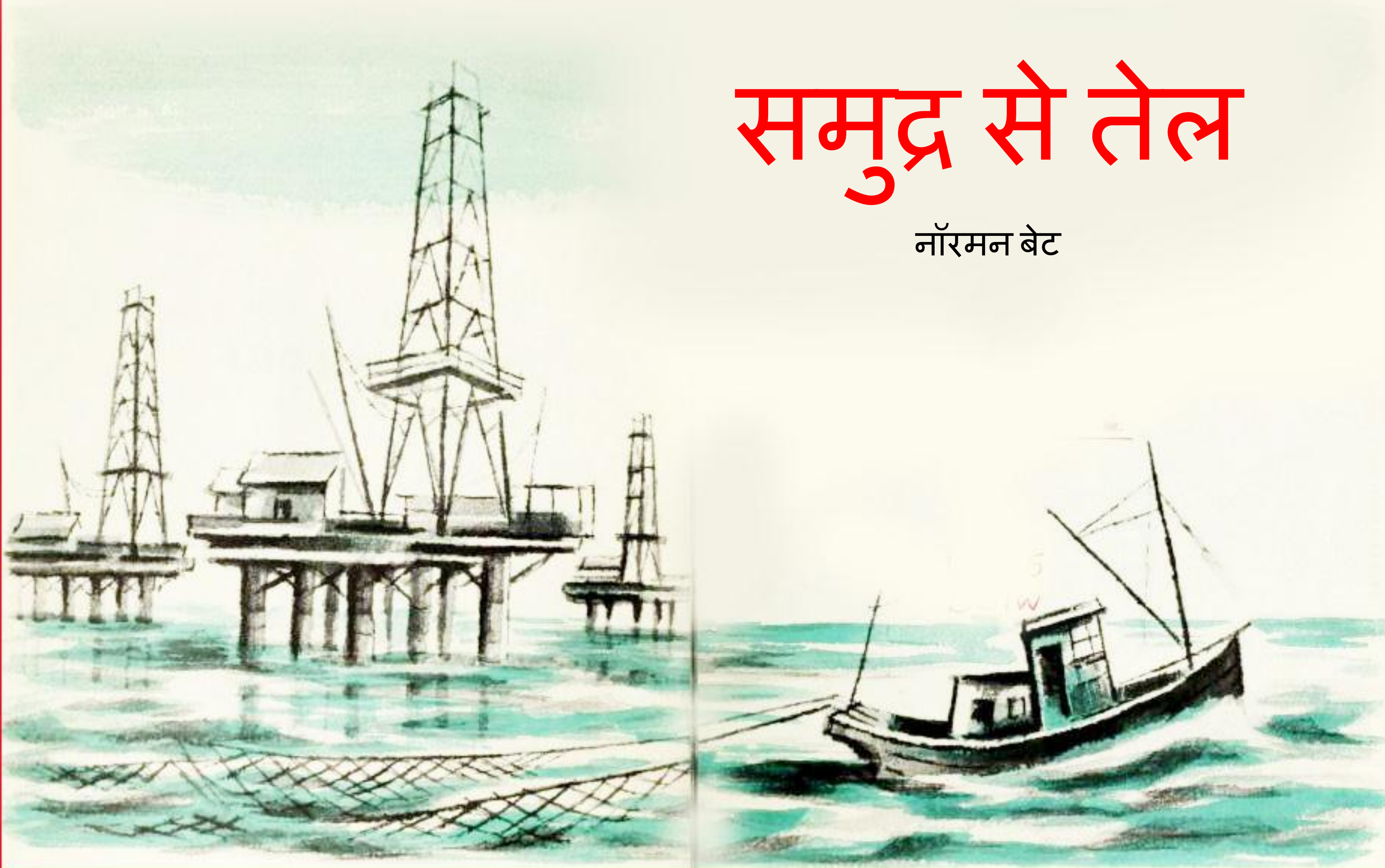
समुद्र से तेल

नॉरमन बेट



समुद्र से तेल

नॉरमन बेट





"मैं मछली पकड़ते-पकड़ते थक गई हूँ," झींगा पकड़ने वाली नाव ने कहा. "मैं दिन भर भारी जाल को खींचते हुए तंग आ गई हूँ. अब मेरा कुछ अलग करने का मन है!"



"अगर तुम मछलियां पकड़ने से थक गई हो," पास से गुज़रने वाले टग (खींचने वाली नाव) ने कहा, "तो फिर तेल ढूंढ़ने में हमारी मदद करो!" टग की चिमनी से निकलते काले धुएं ने उसके भारी बजरे (बार्ज) को लगभग ढँक दिया था.

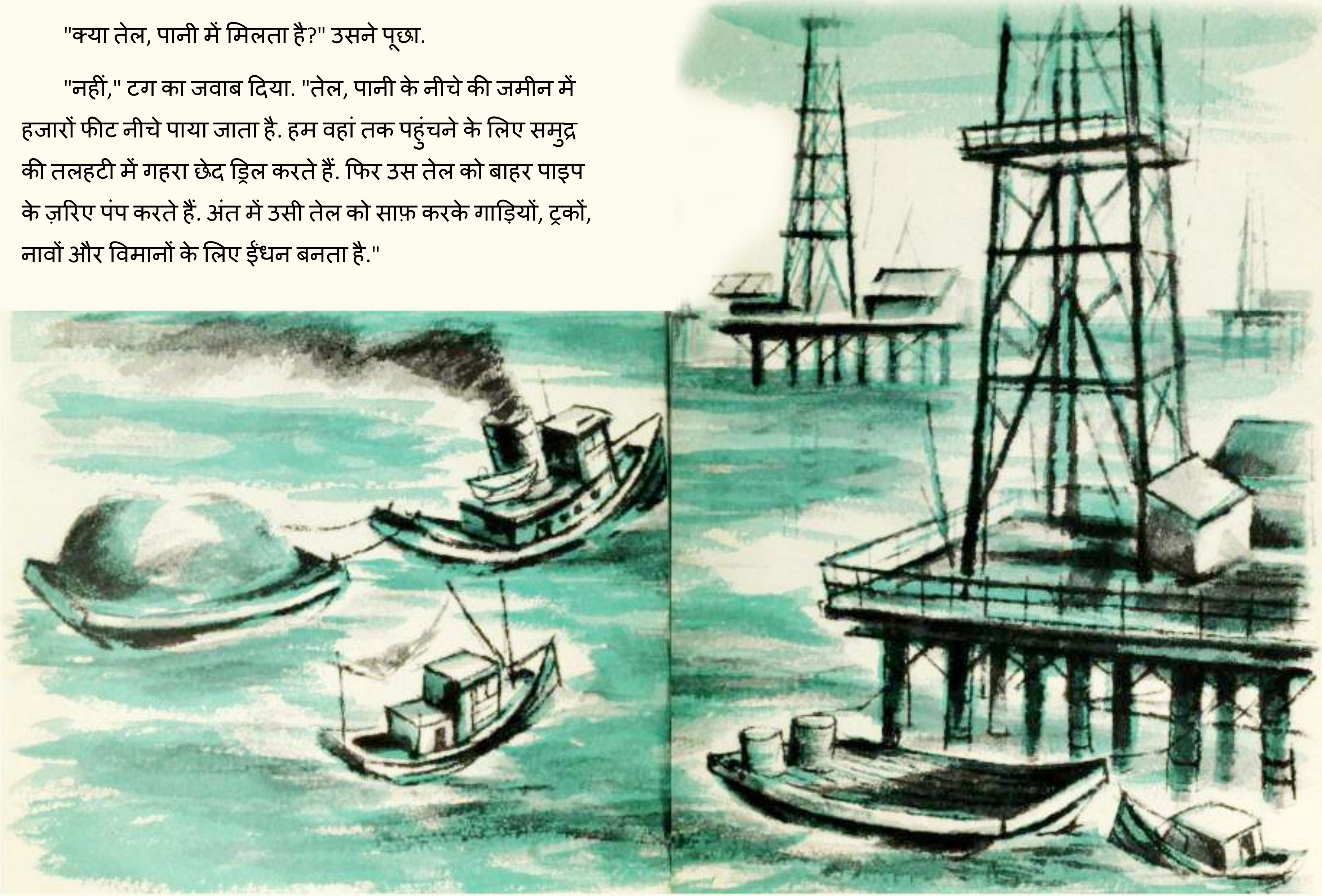
"तेल कौन ढूंढता है?" झींगा पकड़ने वाली नाव ने पूछा.

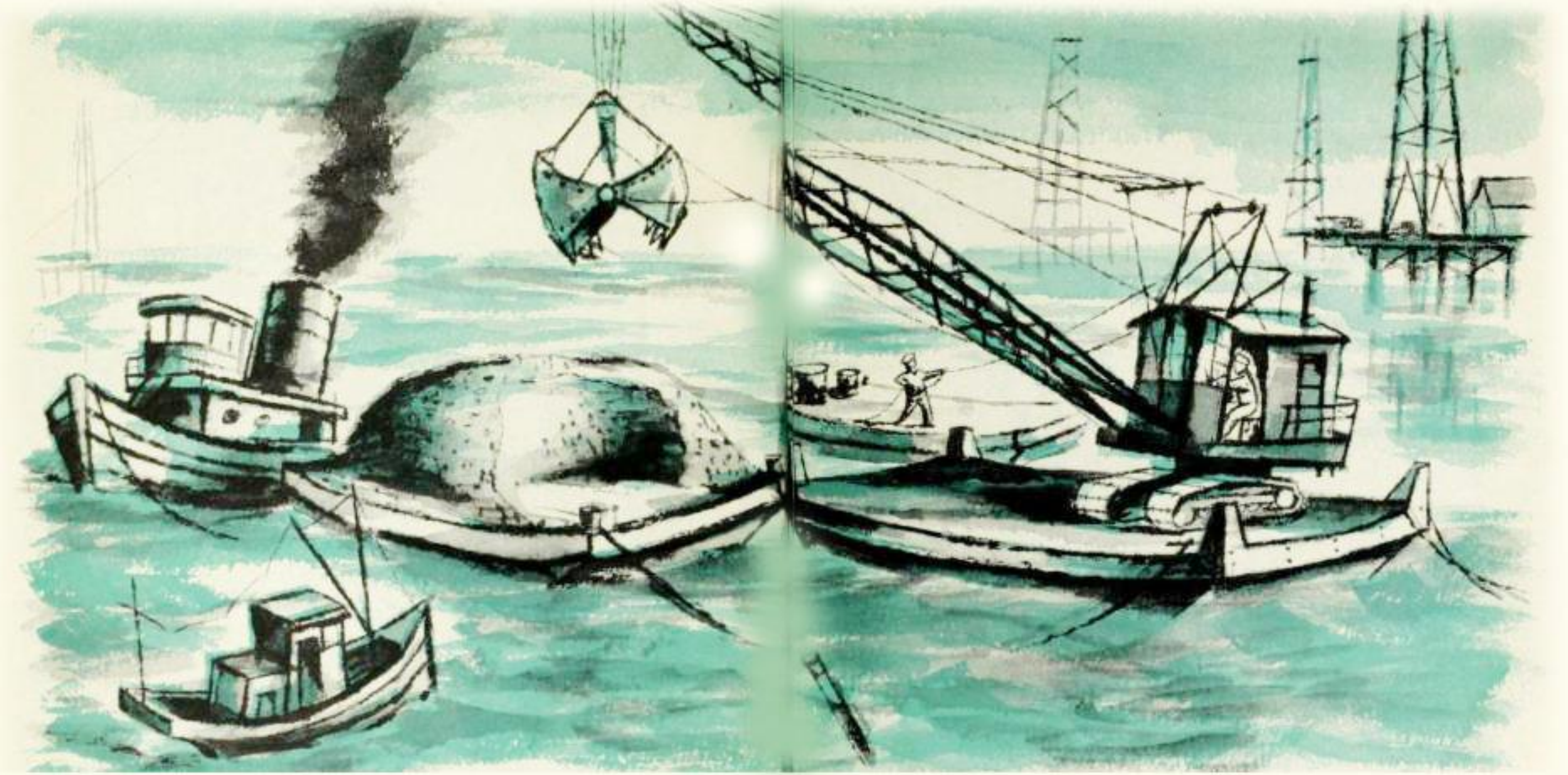
"हम सभी तेल खोजते हैं," टग ने जवाब दिया. "मज़दूर और इंजीनियर, टग और नाव, बजरे, क्रेन, डेरिक और इंजन - लेकिन हम इसे - तेल के लिए ड्रिलिंग कहते हैं."

झींगा पकड़ने वाली नाव ने अपना भारी जाल गिरा दिया और वो तेज़ी से टग के पीछे गई.

"क्या तेल, पानी में मिलता है?" उसने पूछा.

"नहीं," टग का जवाब दिया. "तेल, पानी के नीचे की जमीन में हजारों फीट नीचे पाया जाता है. हम वहां तक पहुंचने के लिए समुद्र की तलहटी में गहरा छेद ड्रिल करते हैं. फिर उस तेल को बाहर पाइप के ज़रिए पंप करते हैं. अंत में उसी तेल को साफ़ करके गाड़ियों, ट्रकों, नावों और विमानों के लिए ईंधन बनता है."





इससे झींगा पकड़ने वाली नाव काफी उत्तेजित हुई. यह काम वाकई में कुछ अलग था! "क्या मैं तेल के खोजने में तुम्हारी कुछ मदद कर सकती हूं?" उसने पूछा.

"तुम मेरी मदद करने के लिए बहुत छोटी हो," टग ने कहा, "लेकिन तुम हमारे काम को देख सकती हो."

फिर शक्तिशाली टग ने खींचा और धक्का दिया और अंत में वो अपने भारी बजरे को उस स्थान तक ले गई जहां तेल का नया कुआं खुदना था.

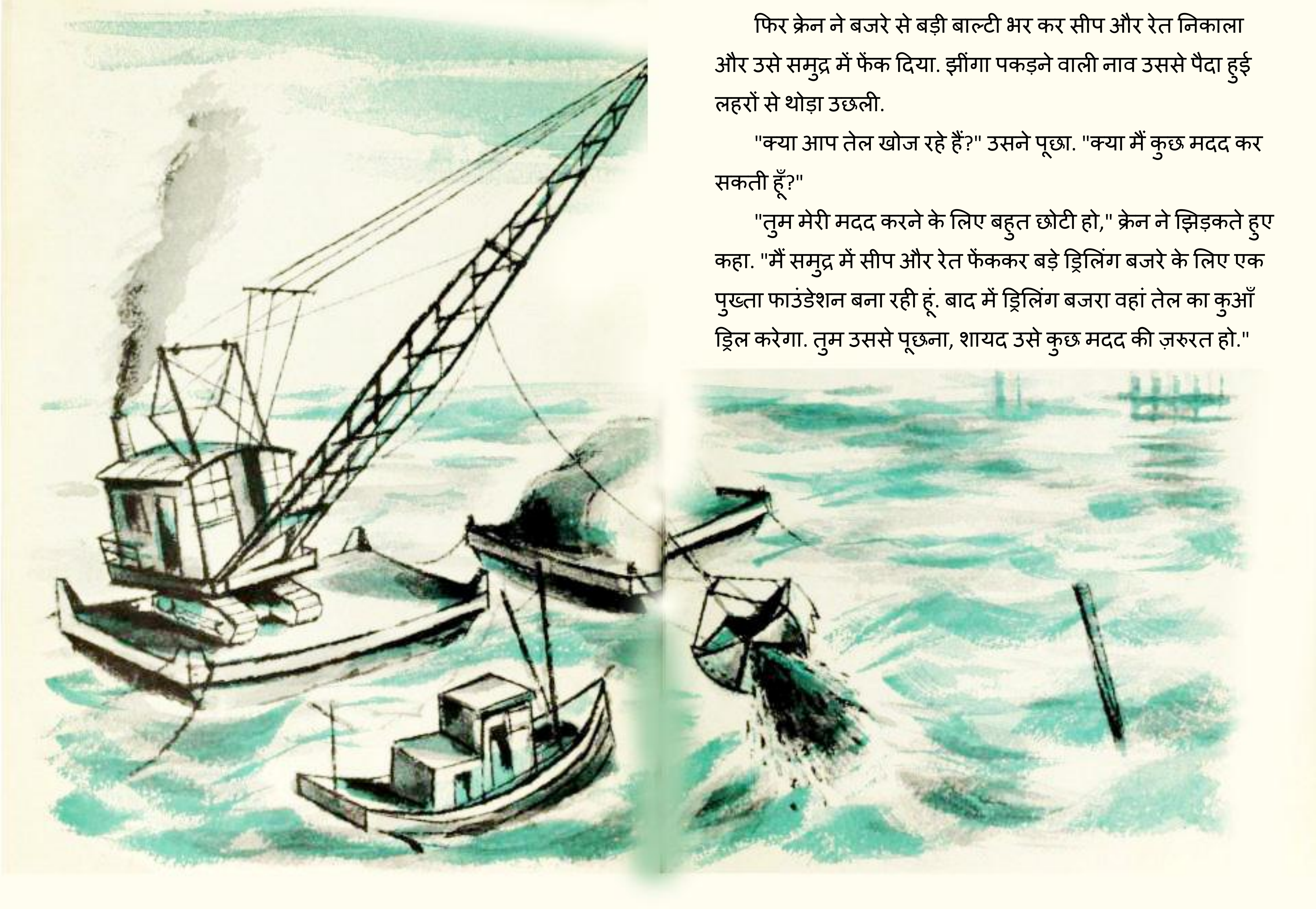
वहां एक डीजल क्रेन इंतजार कर रही थी. "चलो, तुम सही समय पर अपने बजरे के साथ यहां आए!" क्रेन बड़बड़ाई.

फिर क्रेन की लम्बी बूम अपनी बाल्टी के साथ, बजरे पर पहाड़ जैसी लदी रेत तक पहुंची. फिर क्रेन के गियर घूमने और आवाज़ करने लगे.

फिर क्रेन ने बजरे से बड़ी बाल्टी भर कर सीप और रेत निकाला और उसे समुद्र में फेंक दिया. झींगा पकड़ने वाली नाव उससे पैदा हुई लहरों से थोड़ा उछली.

"क्या आप तेल खोज रहे हैं?" उसने पूछा. "क्या मैं कुछ मदद कर सकती हूँ?"

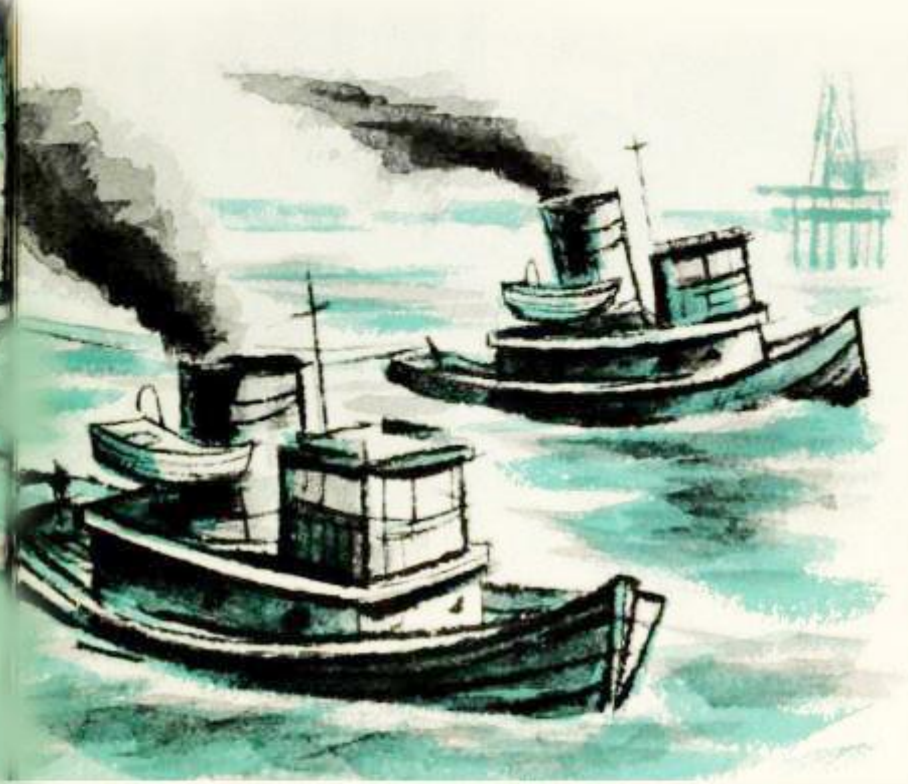
"तुम मेरी मदद करने के लिए बहुत छोटी हो," क्रेन ने झिड़कते हुए कहा. "मैं समुद्र में सीप और रेत फेंककर बड़े ड्रिलिंग बजरे के लिए एक पुख्ता फाउंडेशन बना रही हूं. बाद में ड्रिलिंग बजरा वहां तेल का कुआँ ड्रिल करेगा. तुम उससे पूछना, शायद उसे कुछ मदद की ज़रुरत हो."





बड़ा ड्रिलिंग बजरा पानी के ऊपर ऊंचा खड़ा था. उसका डेक मशीनों, काम करने वाले लोगों, डेरिक और शेड से ढंका हुआ था. शक्तिशाली टग उसे रस्सों से खींच रहे थे. झींगा पकड़ने वाली नाव उसके करीब से गुज़री.

"हमारे रास्ते से हटो!" टग ज़ोर से बोलीं.





कई टग्स ने मिलकर उसे खींचा और धकेला. अंत में बड़ी ड्रिलिंग बार्ज, सीप और रेत के सख्त आधार पर जाकर अच्छी तरह से बैठी. उस फाउंडेशन को डीजल क्रेन ने बनाया था.

"मेरे इंजन शुरू करो! मेरे पंप शुरू करो!" बड़े बजरे ने आदेश दिया.

इंजीनियरों ने उसके इंजन शुरू किए. उन्होंने उसके समुद्री वाल्व खोले जिससे बड़ा बाजरा डूबने लगा.

"मुझे यहाँ पर तेल का कुआँ ड्रिल करना है. मुझ से दूर रहो!" वो चिल्लाया. "मेरी ड्रिल समुद्र की तलहटी के नीचे तक डूबेगी!"

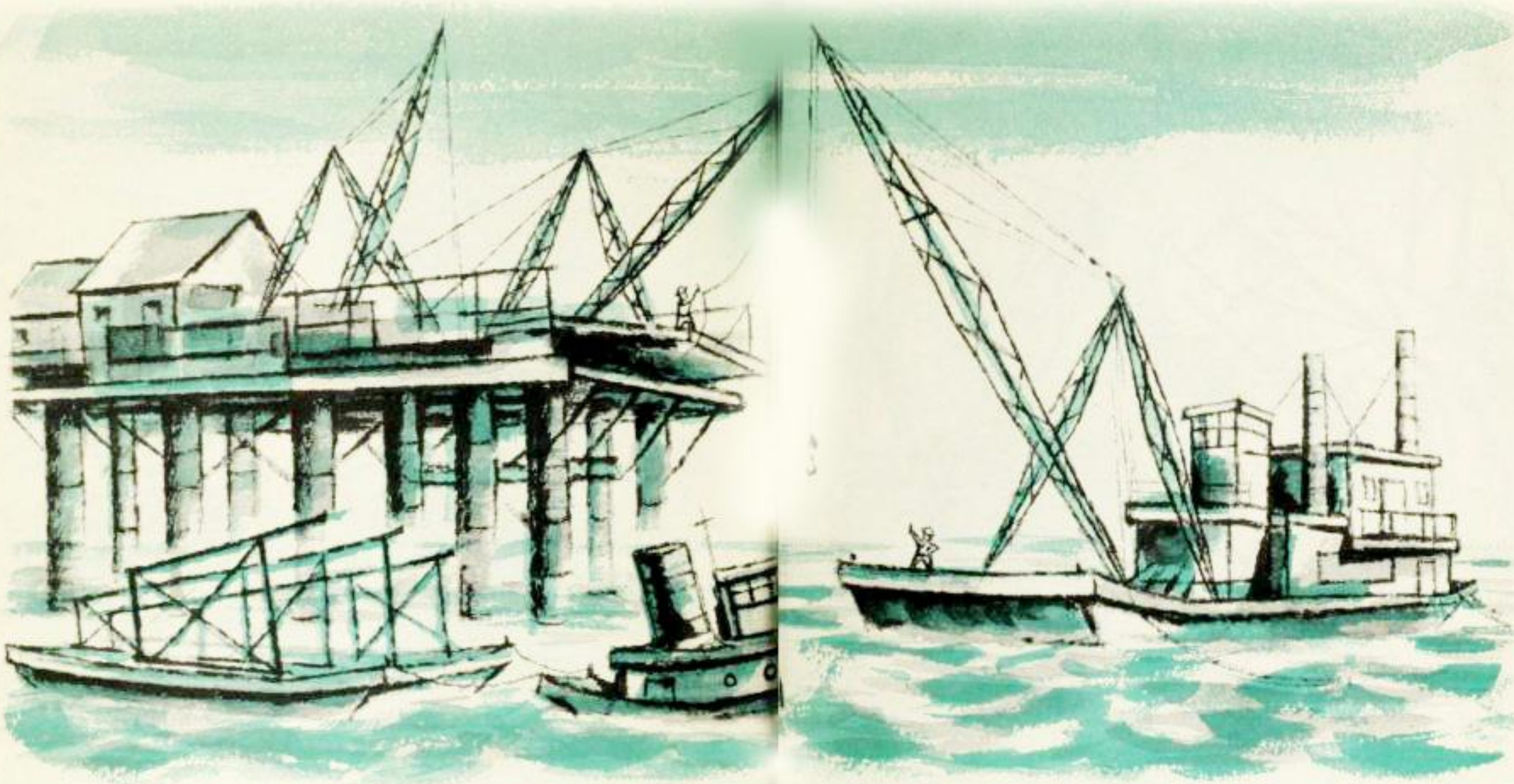


जल्दी से सारी नावें वहां से दूर हट गईं. ड्रिलिंग बजरा नीचे और नीचे गया. वो गहरा और गहरा डूबा. वो तेजी से जाकर समुद्र की तलहटी पर बैठ गया. अब सिर्फ उसका वर्किंग डेक ही पानी के ऊपर था.

"सारे औज़ार लाओ. पाइप लाओ."

“ड्रिलिंग डेरिक लाओ.”

“मैं तैयार हूँ!" बड़ा ड्रिलिंग बजरा चिल्लाया.



“डेरिक बजरा, कहाँ है?

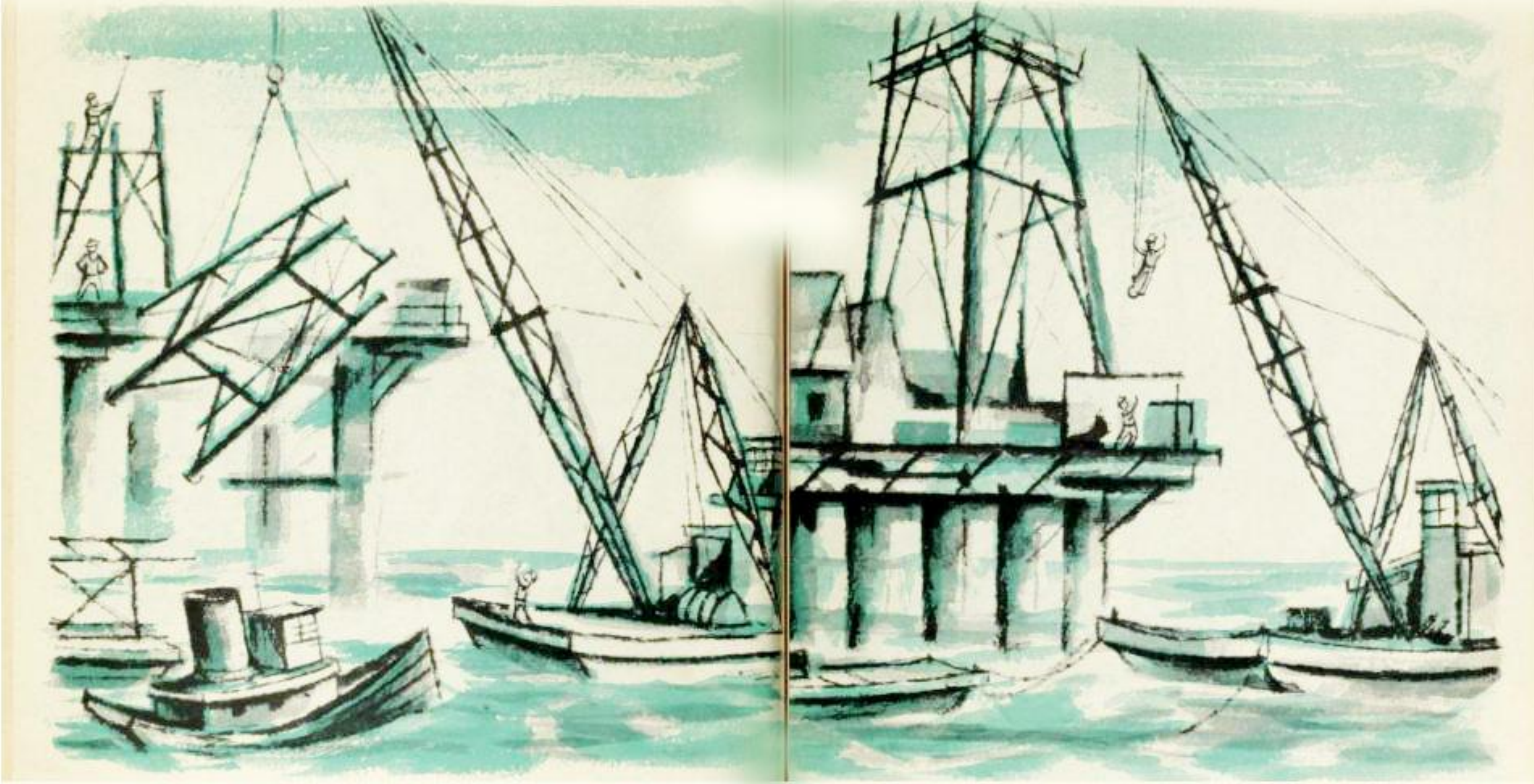
नावें और टग्स कहाँ हैं?

हम जल्दी करना होगा. क्योंकि एक तूफान आ रहा है!"

नावें और टग्स, सारा उपकरण लेकर दौड़े.

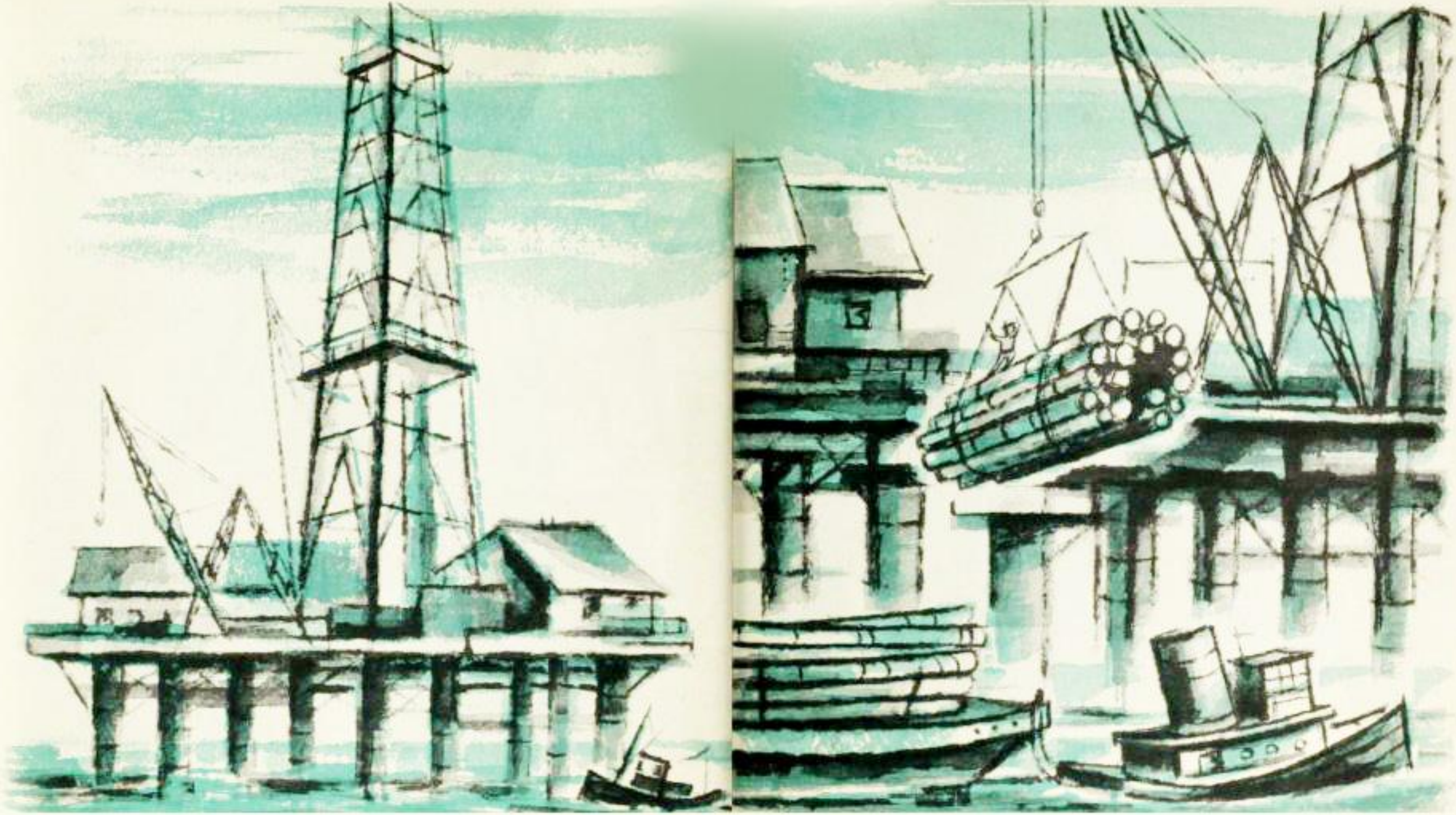
"मैं यहाँ हूँ," डेरिक बजरे ने कहा. "मैं काम के लिए तैयार हूं."

"हम यहाँ हैं," नावें और टग्स मिलकर चिल्लाईं. "हम ड्रिलिंग टॉवर के सभी उपकरण और पाइप लेकर आए हैं. हम भी तैयार हैं!"



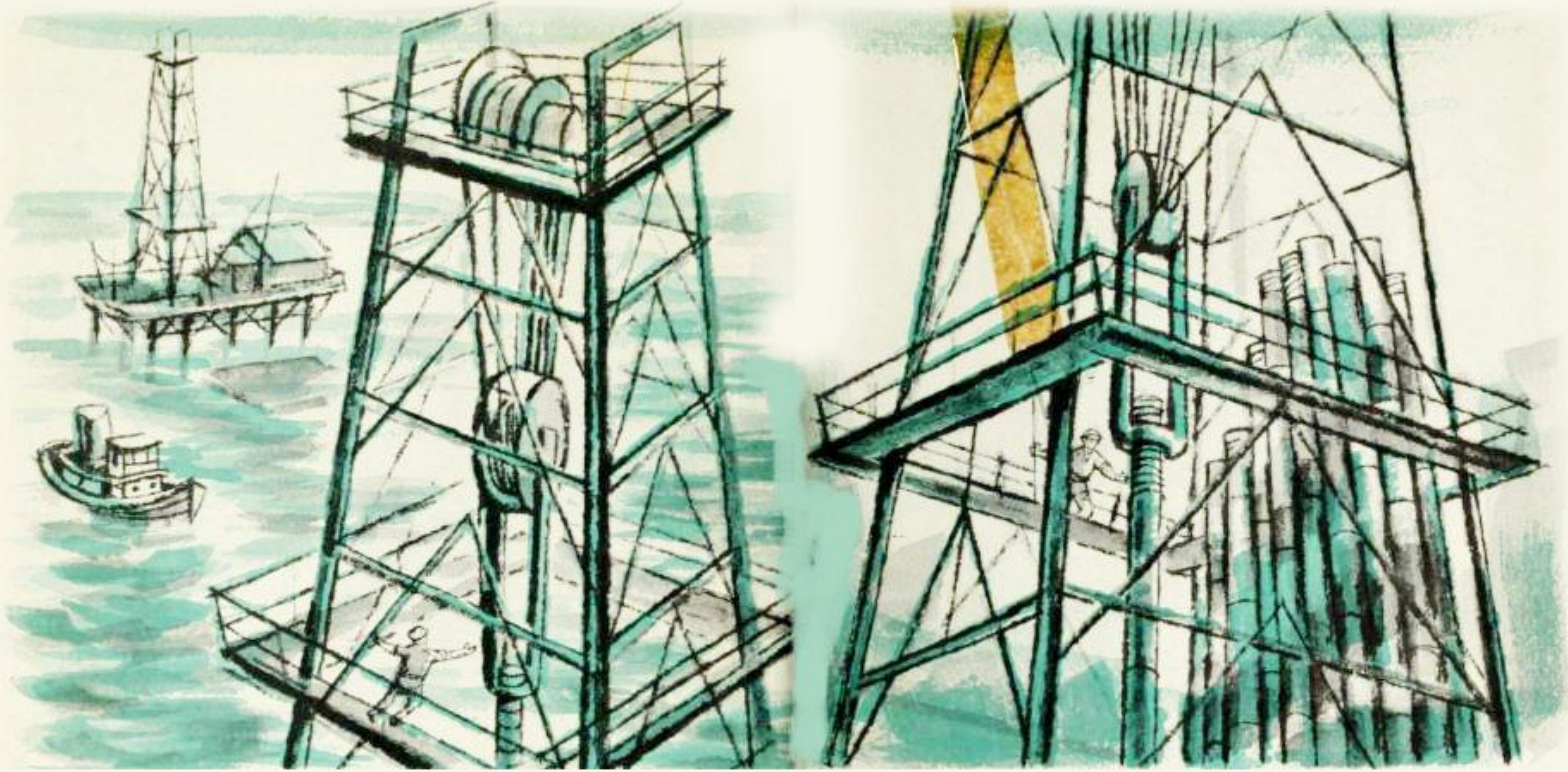
मजबूत डेरिक बजरे ने अपना काम बहुत तेजी से किया. उसके इंजनों ने तेज़ी से आवाज़ की, उसके केबल खिंचे और उसकी लम्बी बूम ने ड्रिलिंग टॉवर के हिस्सों को ड्रिलिंग प्लेटफार्म पर सही स्थिति में उठाकर रखा.

इंजीनियर और मज़दूर ड्रिलिंग टॉवर के अलग-अलग हिस्सों को एक-साथ कसने के लिए दौड़े. धीरे-धीरे ड्रिलिंग टॉवर ऊंची और ऊंची हुई. अन्य नावें और बजरे और अधिक उपकरण, केबल और विंच (चरखी) लाए गए. कुछ समय बाद ड्रिलिंग टॉवर पूरी तरह तैयार हुई .



"अब ड्रिलिंग पाइप लाओ," बड़ी ड्रिलिंग बार्ज के इंजीनियरों ने आदेश दिया. "हमें समुद्र के तल को ड्रिल करके पाइप को दस हजार फीट नीचे ले जाना होगा. क्योंकि वहीं हमें तेल मिलेगा. ज़रा जल्दी करो क्योंकि अब हवा की गति बहुत तेज़ हो रही है!"

टग्स, ड्रिलिंग पाइप्स को बजरों में लोड करके लाए. "पाइप को ड्रिलिंग प्लेटफॉर्म पर पहुंचाओ," इंजीनियरों ने आदेश दिया. "उन्हें ड्रिलिंग टॉवर तक उठाओ. जल्दी करो. जल्दी करो! आसमान में अंधेरा हो रहा है!"

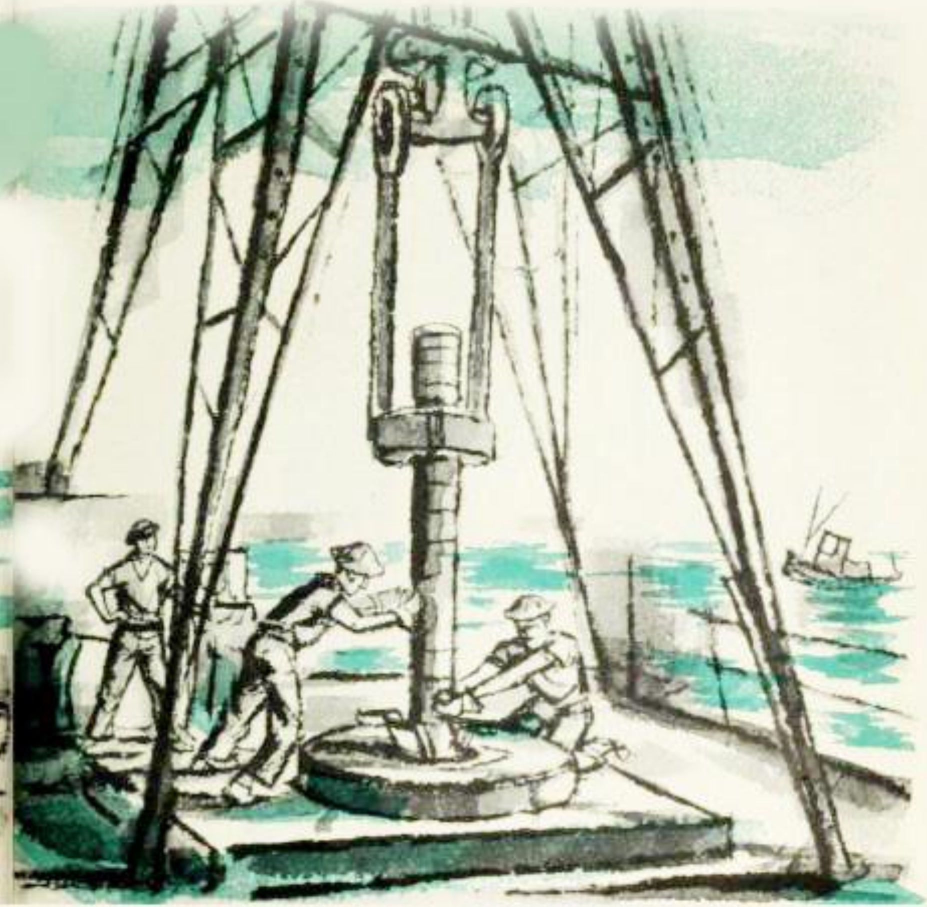


पाइप्स एक-दूसरे से टकराए और फिर विंच (चरखी) ने उन्हें ड्रिलिंग टॉवर तक उठाया. जल्दी करो! जल्दी करो! मज़दूर, बंदरों की तरह तेजी से चढ़े और उन्होंने प्रत्येक पाइप को उसकी सही जगह पर फिट किया.

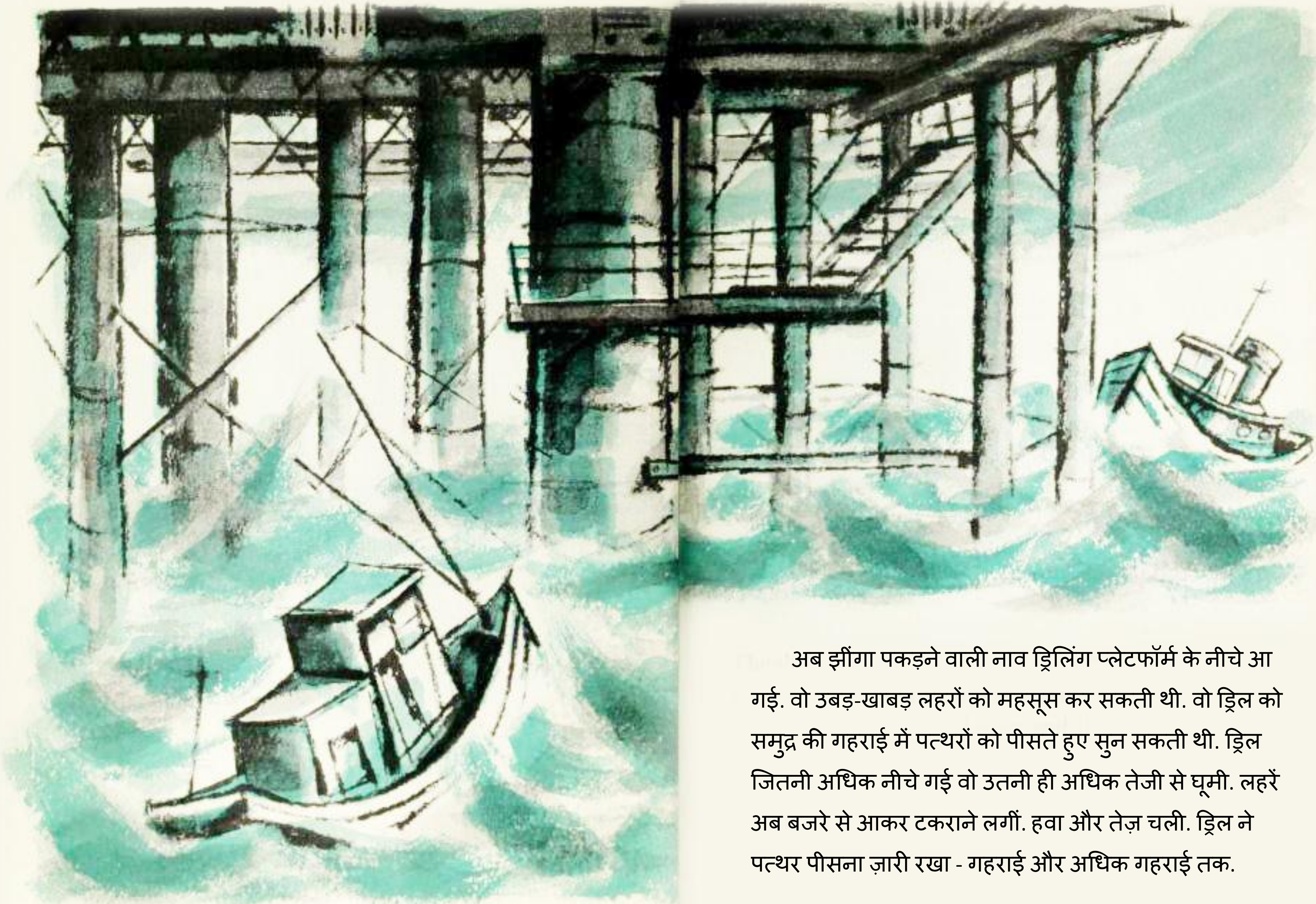
केबलों और पाइप्स का शोर पानी से टकराया और उससे लहरें बनीं जिनसे झींगा पकड़ने वाली नाव लहराने लगी. फिर वो करीब और करीब आई ....



"ड्रिल तैयार करो!" इंजीनियरों को आदेश दिया. फिर वर्कर्स ने ड्रिल पाइप के अंत में एक ड्रिलिंग बिट फिट की. उसमें कठोर पत्थर को पीसने के लिए तेज घूमने वाले दांत थे. उन्होंने उसे पानी के नीचे समुद्र के तल तक उतारा.



ताकतवर इंजनों ने पाइप को जकड़ कर रखा और उसे एक विशाल ड्रिल (बरमे) की तरह घुमाया. उससे बड़ा बजरा कांप उठा. इंजन शोर मचाता रहा, पाइप और उपकरण एक-दूसरे से टकराते रहे. और बड़ी ड्रिल समुद्र के तल के नीचे की जमीन में गहरा और गहरा छेद करती रही.



अब झींगा पकड़ने वाली नाव ड्रिलिंग प्लेटफॉर्म के नीचे आ गई. वो उबड़-खाबड़ लहरों को महसूस कर सकती थी. वो ड्रिल को समुद्र की गहराई में पत्थरों को पीसते हुए सुन सकती थी. ड्रिल जितनी अधिक नीचे गई वो उतनी ही अधिक तेजी से घूमी. लहरें अब बजरे से आकर टकराने लगीं. हवा और तेज़ चली. ड्रिल ने पत्थर पीसना ज़ारी रखा - गहराई और अधिक गहराई तक.



"रुको!" बड़ा ड्रिलिंग बजरा चिल्लाया. "एक भयानक तूफान आ रहा है! इंजन बंद करो! ड्रिल बंद करो!"

“मज़दूरों को किनारे तक ले जाने के लिए तुरंत नौकाओं को बुलाओ! जल्दी किनारे तक जाओ!"

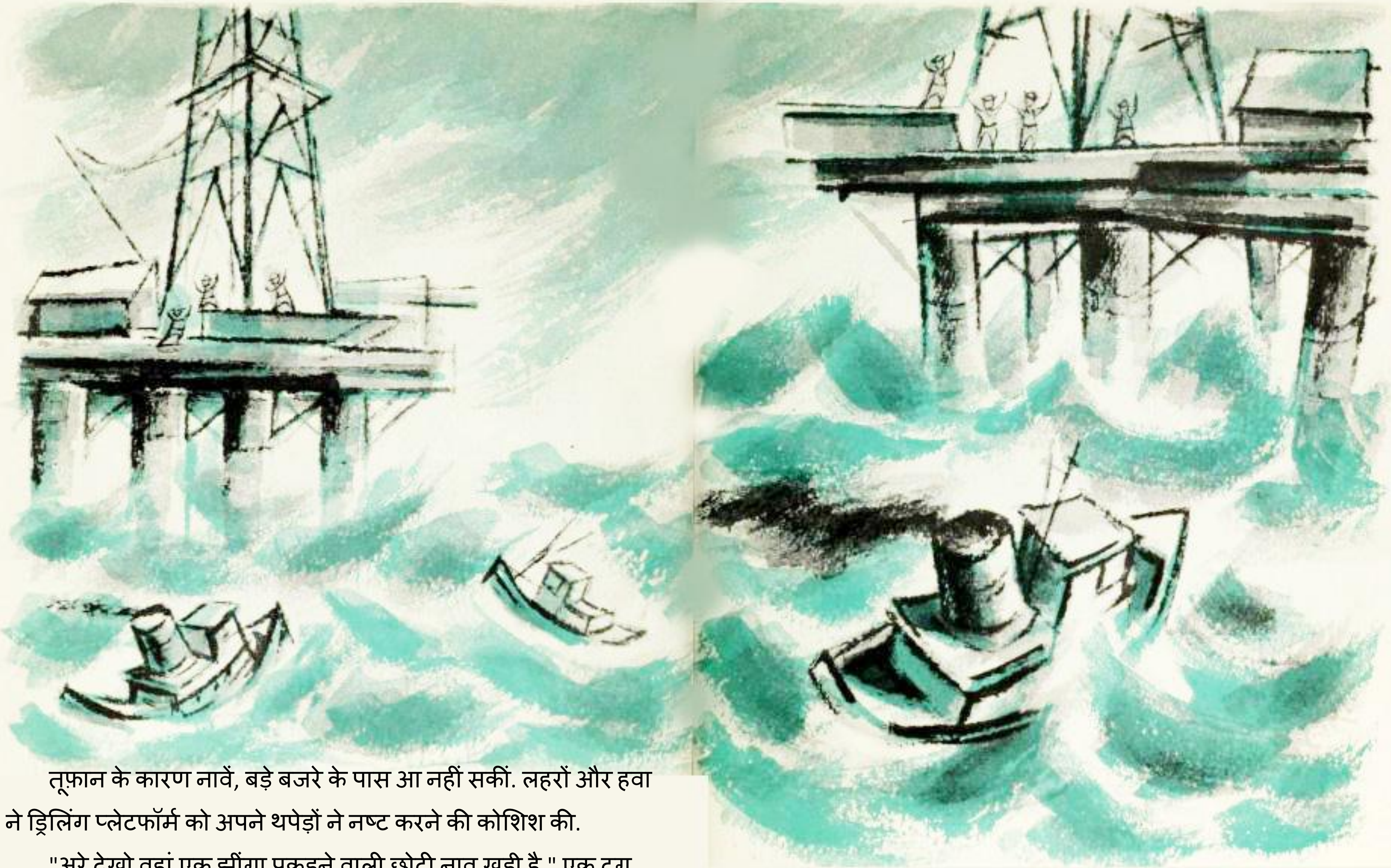
बड़े बजरे के ऊपर तेज़ हवा से पानी की लहरें उड़ने लगीं.

इंजन रुक गए.

ड्रिल रुक गई.

लेकिन मज़दूर फंस गए.

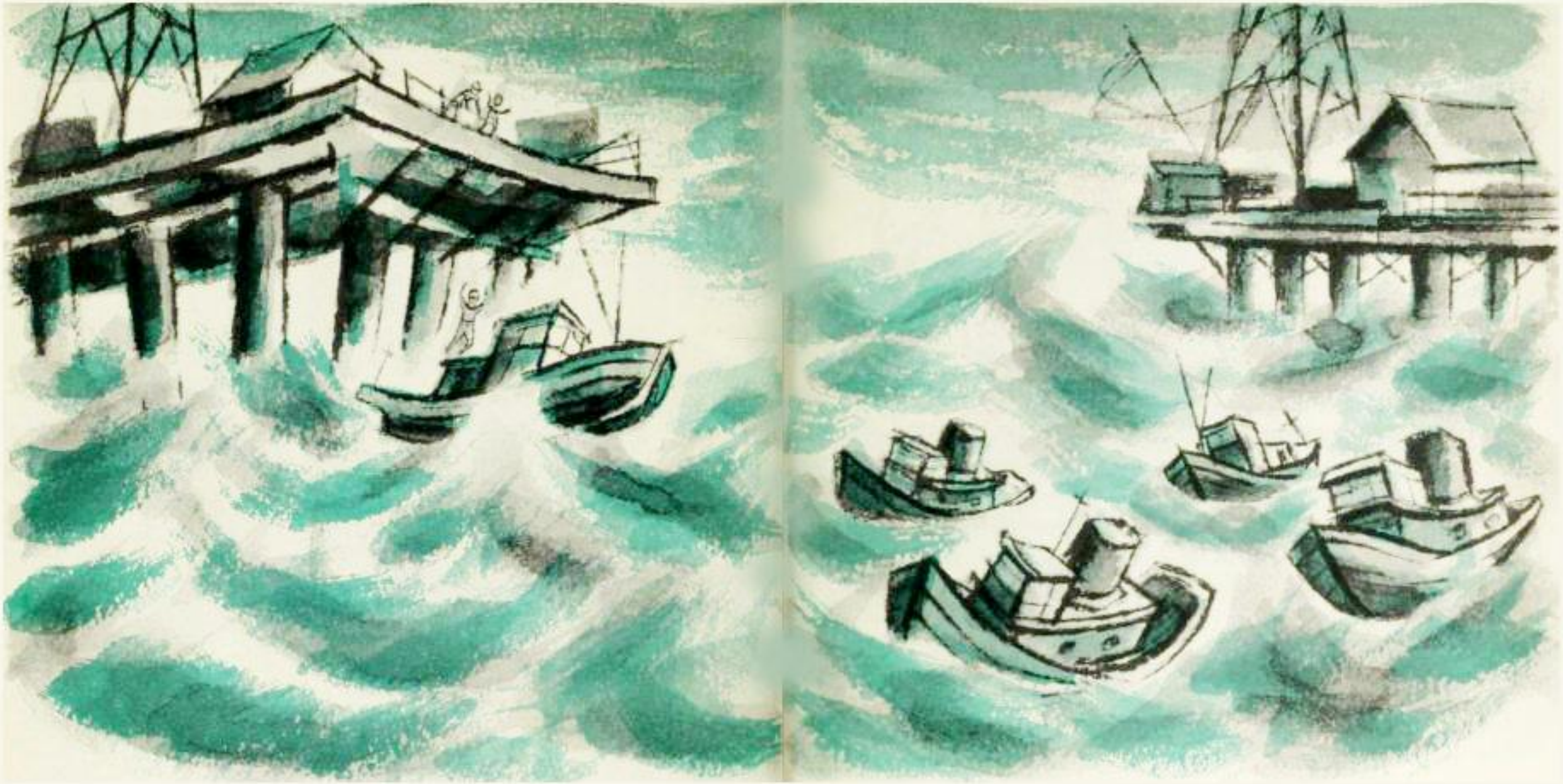
वे बजरे से उतर नहीं पाए!



तूफ़ान के कारण नावें, बड़े बजरे के पास आ नहीं सकीं. लहरों और हवा ने ड्रिलिंग प्लेटफॉर्म को अपने थपेड़ों ने नष्ट करने की कोशिश की.

"अरे देखो वहां एक झींगा पकड़ने वाली छोटी नाव खड़ी है," एक टग चिल्लाई. "वो छोटी है, लेकिन वो बिना टकराए प्लेटफार्म के नीचे से आ सकती है.

"वो मज़दूरों को सुरक्षित किनारे तक पहुंचा देगी!”



फिर झींगा पकड़ने वाली नाव, ड्रिलिंग प्लेटफॉर्म के करीब आई.

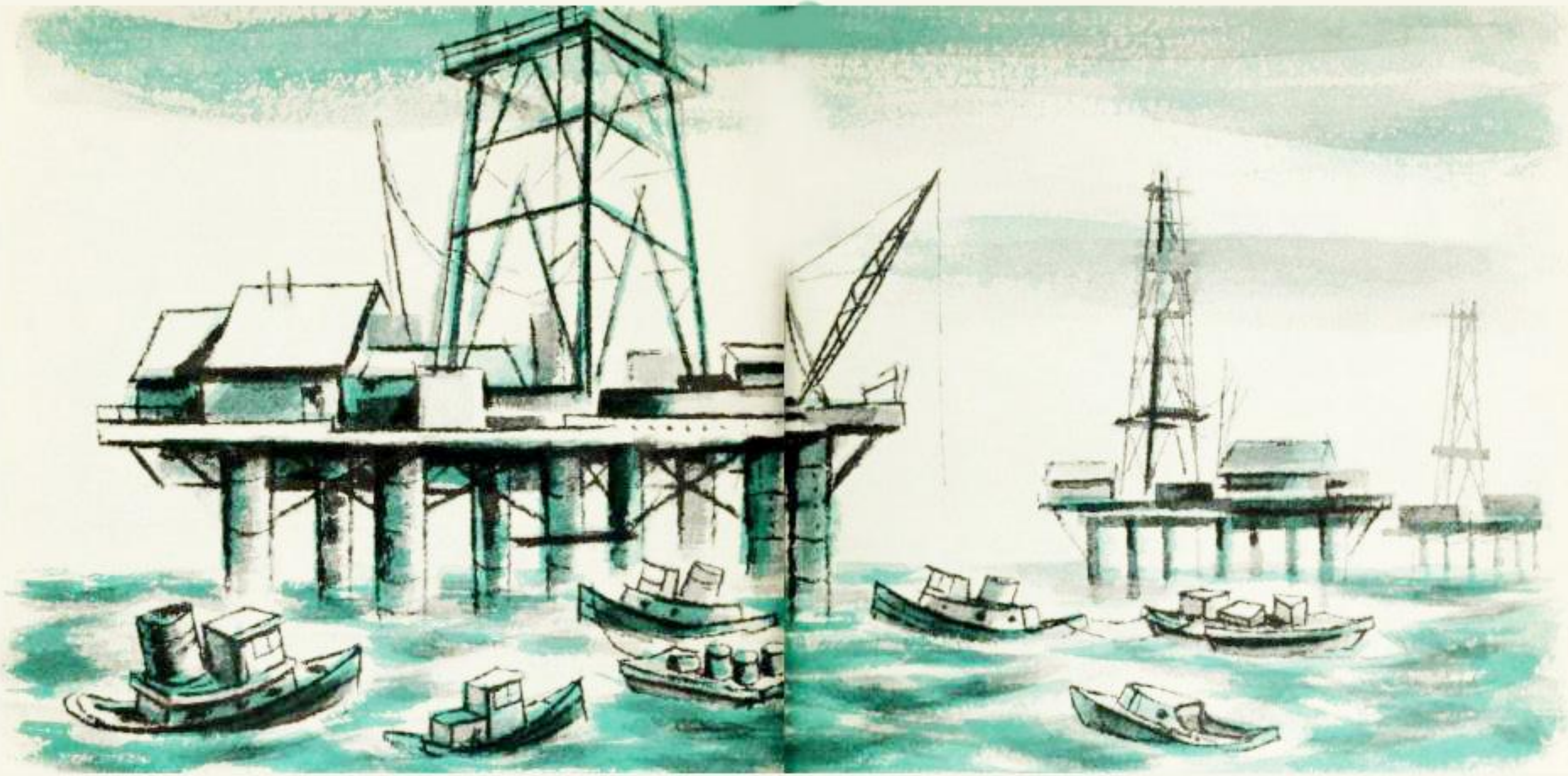
एक तेज़ लहर ने उसे हवा में ऊँचा फेंका.

"निकट आओ!" ड्रिलिंग प्लेटफॉर्म पर अटके मज़दूरों ने उससे विनती की. छोटी झींगा पकड़ने वाली नाव को लहरों ने प्लेटफार्म के नीचे धकेल दिया.

ड्रिलिंग प्लेटफॉर्म पर अटके मज़दूर झींगा पकड़ने वाली नाव के डेक पर कूद गए.

"सभी सवार हो गए!" झींगा पकड़ने वाली नाव चिल्लाई. "चलो जल्दी से किनारे की ओर रुख करो!"

दो दिन और दो रात तक भयानक तूफान चलता रहा. तब बड़ा ड्रिलिंग प्लेटफॉर्म बिलकुल अकेला रहा.

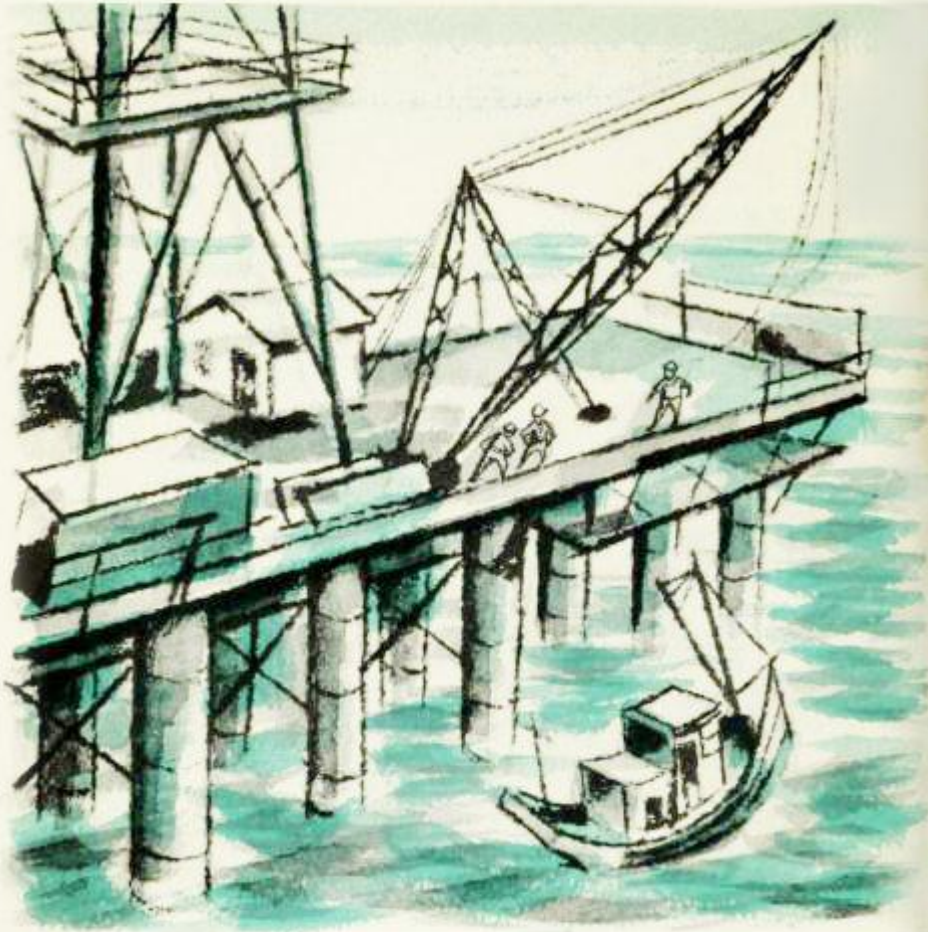


तूफान खत्म होने के बाद नावें और मज़दूर वापस आए. बड़ा ड्रिलिंग बजरा अभी भी मजबूत और दृढ़ था. वो दुबारा से काम करने को तैयार था!

"झींगा पकड़ने वाली नाव कहाँ है?" बजरे ने पूछा. "उसने तूफान में हमारी बड़ी मदद की. अगर वो हमारे साथ काम करना चाहती है, तो उसे मुझसे मिलने को कहो."

"देखो, मैं बहुत छोटी नहीं हूं?" झींगा पकड़ने वाली नाव ने कहा.

"नहीं, तुम ज़रुरत के समय हमारे बहुत काम आईं," ड्रिलिंग बजरे ने कहा. "तुम हमारे लिए चीजें ढोने का काम कर सकती हो - छोटी-बड़ी चीजें और टूटी हुई चीजें."





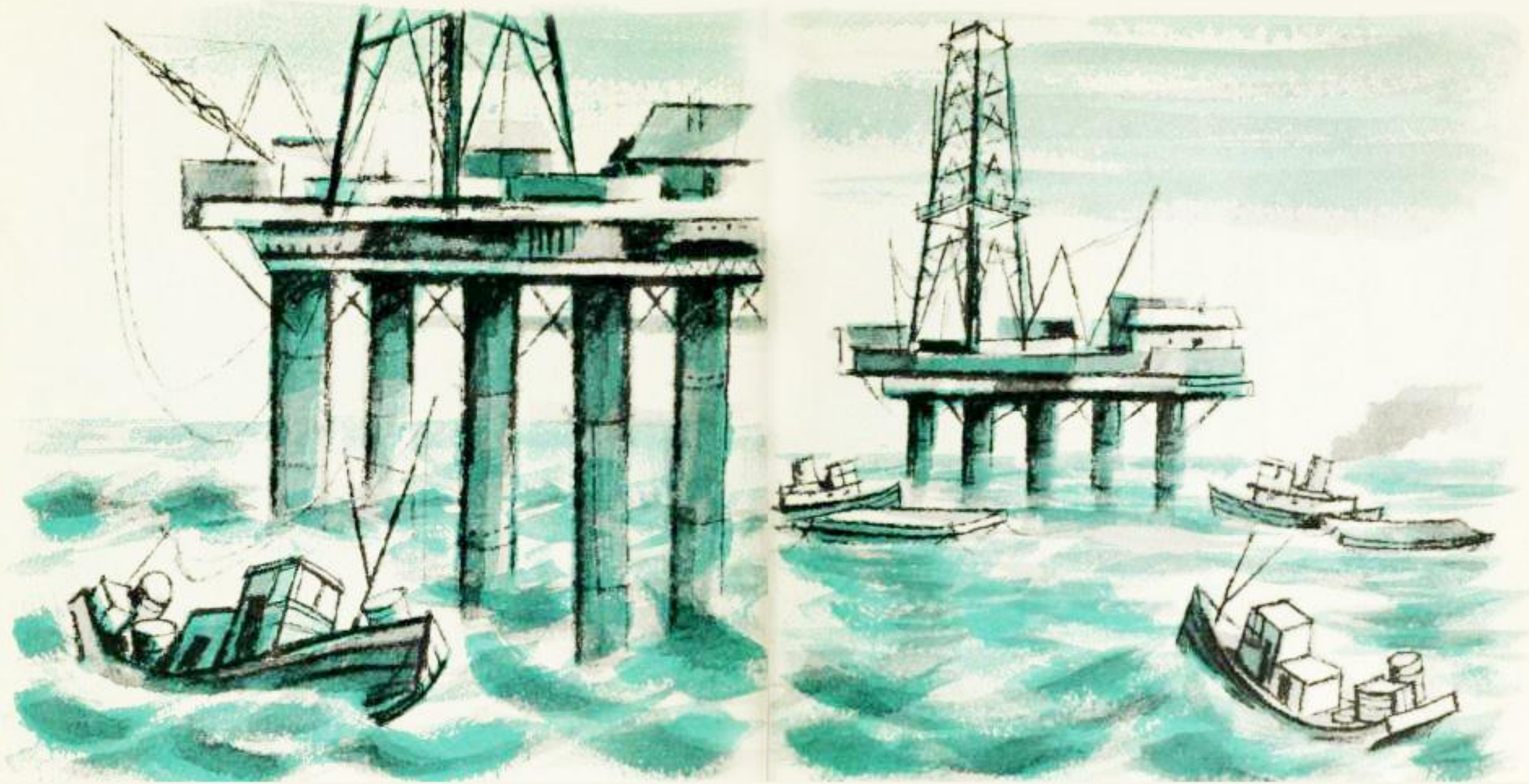
छोटी झींगा पकड़ने वाली नाव तैरकर प्लेटफार्म तक पहुंची. डेरिक और क्रेनों ने उसके डेक पर बक्से, बैरल और क्रेट उतारे.

"उन्हें किनारे पर ले जाओ!" बड़ी ड्रिलिंग बार्ज ने आदेश दिया.

"फिर किनारे से नए औज़ार, और सप्लाई वापस लाओ.“

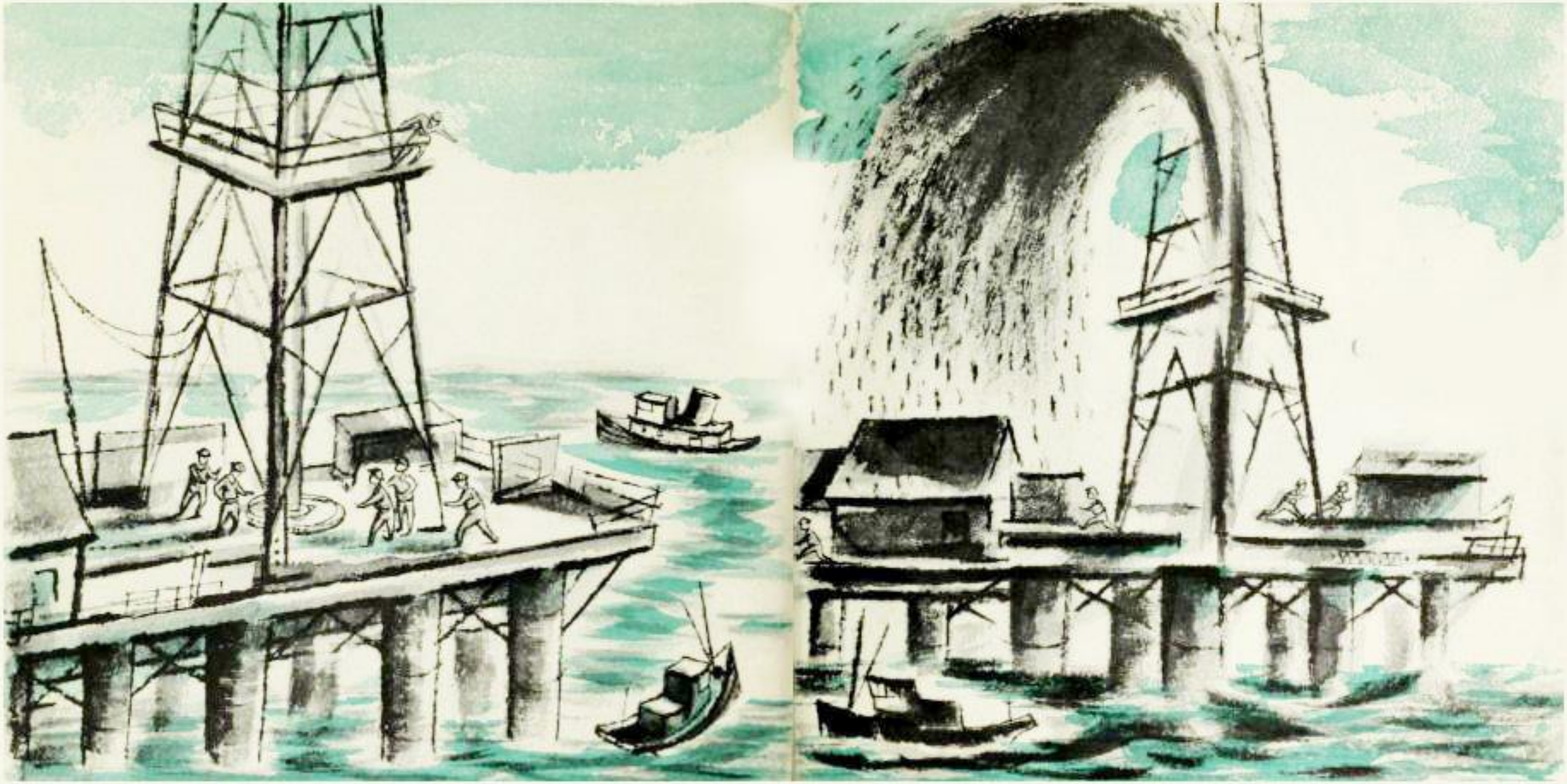
"क्या आज हम तेल खोज पाएंगे?" झींगा पकड़ने वाली नाव ने बड़े बजरे से पूछा.

"क्या हम कल तक तेल ढूंढ पाएंगे?"



"नहीं," ड्रिलिंग बार्ज ने जवाब दिया. "हमें आज या कल में तेल नहीं मिलेगा. इंजीनियरों के अनुसार इससे पहले हम तेल खोज पाएं हमें साठ दिनों और साठ रातों तक लगातार ड्रिल करना होगा."

साठ दिनों और साठ रातों तक छोटी झींगा पकड़ने वाली नाव ने मदद की. वो आगे-पीछे गई. वो टूटी-फूटी चीज़ें वापिस किनारे लेकर गई और वहां से नई सप्लाई और चीज़ें लाई. साठ दिनों और साठ रातों तक बड़ी ड्रिल शोर करती रही और नीचे, नीचे, सीधे नीचे, दस हजार फीट तक ड्रिल करती रही. . .



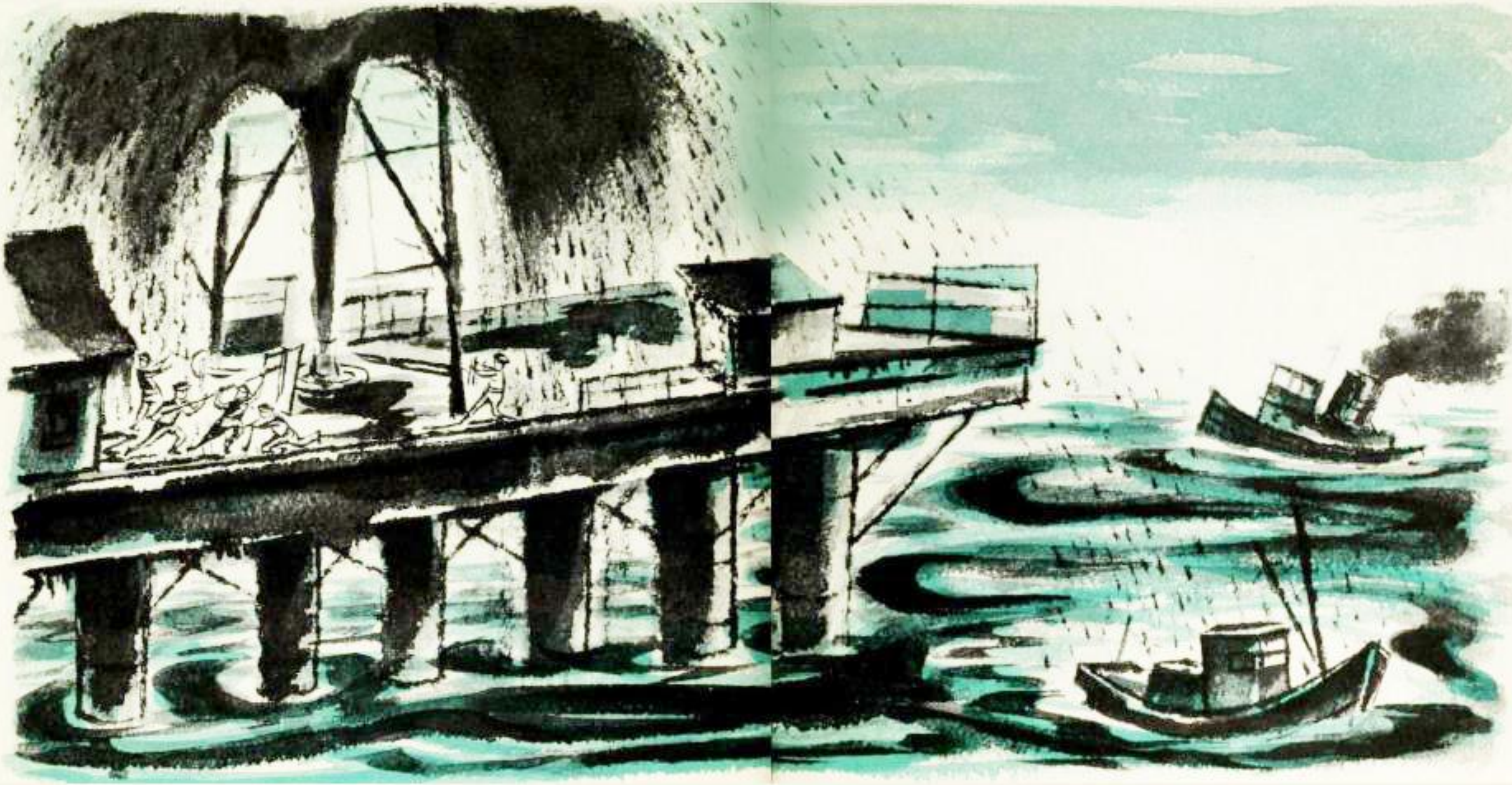
अचानक ड्रिल रुक गई!

फिर इंजन भी बंद हो गए, आदमी भी रुक गए, और नावें भी रुक गईं — तब सारा शोर बंद हो गया! ड्रिलिंग प्लेटफॉर्म ज़ोर से हिलने लगा. ड्रिल पाइप के भीतर गहराई से एक भारी गड़गड़ाहट सुनाई दी.

उस गड़गड़ाहट का जोर लगातार बढ़ता गया! आदमी दौड़े, इंजीनियर भागे, नावें और टग्स दूर हो गईं. काले रंग का बदबूदार कच्चा तेल ड्रिल पाइप से तेज़ी से बाहर निकला!

"सुरक्षा वाल्व बंद करो, जल्दी से!”

"उन्हें जल्दी से बंद करो!" इंजीनियरों ने आदेश दिया.



"तेल में विस्फोट होने से पहले तेल के फव्वारे को बंद करो!"

हर जगह चिपचिपा तेल बह रहा था. तेल ने मज़दूरों, मशीनों, नावों और बजरों को काले रंग से ढँक दिया था. समुद्र का पानी, तेल के मैल से काला हो गया था. मज़दूरों ने तेजी से काम किया. उन्होंने सुरक्षा वाल्व बंद किए और तेल के तेज़ फव्वारे को रोका.

झींगा पकड़ने वाली नाव को लगा जैसे उसके डेक पर काली बारिश हुई हो. तेल से उसकी खिड़कियां धुंधली हो गईं. फिर वो काले पानी में से होते हुए, स्वच्छ, खुले समुद्र की ओर गई.

"तुम क्यों जा रही हो? तुम कहाँ जा रही हो?" नावों और बजरों ने झींगा पकड़ने वाली नाव से पूछा.



"तेल खोजने का मेरा काम अब समाप्त हो गया है!" उसने जवाब दिया. "मछली पकड़ने की तुलना में तेल खोजना ज़्यादा गंदा काम है!"

फिर स्वच्छ समुद्र की लहरों ने नाव के पक्षों से तेल को धोया, समुद्र के स्प्रे ने नाव की खिड़कियों को साफ किया, समुद्र की साफ़ हवा ने तेल की गंध को दूर किया. झींगा पकड़ने वाली नाव दूर, और दूर गई.

"मैं गंदे तेल को क्यों पकडूं," उसने कहा, "जबकि मछलियों को पकड़ना कहीं ज़्यादा साफ़ है!"

समाप्त